



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 42-2024] CHANDIGARH, TUESDAY, OCTOBER 15, 2024 (ASVINA 23, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 11 अक्तूबर, 2024

संख्या 12/4-2011/पुरा/वॉल्यूम-II/3470-78.— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/4-2011/पुरा/Vol-II/1935-43, दिनांक 7 जून, 2024 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल—मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
केसुरिया खेड़ा (पीजीडब्लू)	केसुरिया खेड़ा (पीजीडब्लू)	मानपुर	हथीन पलवल	खतोनी 2173 खसरा 183 खेवट तथा जमाबंदी 2085/1924	94-4	ग्राम पंचायत	यह गांव के लगभग 450 वर्गमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ एक व्यापक पुरातात्विक स्थल है तथा आसपास के जमीनी स्तर से लगभग 8 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इससे चित्रित धूसर मृदभाण्ड, आरम्भिक ऐतिहासिक मिट्टी के बर्तन और उत्तर मध्यकालीन अवशेष प्राप्त हुए। यह स्थल प्राचीन काल में पी. जी. डब्ल्यू. चित्रित धूसर मृदभाण्ड संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है और उत्तरवर्ती कुषाण, गुप्त मध्ययुगीन काल से लेकर आधुनिक काल तक जारी रही है।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 11th October, 2024

No. 12/4-2011/pura/Vol-II/3470-78.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/4-2011/Pura/Vol-II/1935-43, dated the 7th June, 2024, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below, to be a protected monument and archaeological site and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be protected area:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil and district	Revenue Khasra /Kila number under protection.	Area to be protected	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Kasuria Khera	Kasuria Khera	Manpur	Hathin Palwal	Khotni 2173 Khasra 183 Khevat and Jamabandi 2085/1924	94-4	Gram Panchayat	It is an extensive archaeological site in the village, covering an area of about 450 sqm. and stands approximately 8 meter above the surrounding ground level. It yielded Painted Grey Ware early historic pottery and late medieval remains. The site dates back in antiquity to PGW culture and continued through the succeeding phases of Kushana, Gupta and medieval periods up to modern times.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.